

प्रवेशिका पाठशाला-1

पाठ.1 स्वर
अ आ इ ई उ ऊ
ए ऐ ओ औ अं अः

पाठ.2 व्यंजन
क ख ग घ ङ, च छ ज झ ञ
ट ठ ड ढ ण, त थ द ध न
प फ ब भ म, य र ल व श
ष स ह, क्ष त्र ज्ञ

पाठ.3 अ की मात्रा तथा अक्षरों की पहचान
रथ घर फल बस
बतख डर मत घर चल
रथ पर चढ़ बन सब नर

प्रवेशिका पाठशाला-5

पाठ.10 ऐ की मात्रा= ट+ऐ=ट+ऐ=टै
ऐनक बैल थैला सैनिक
किसान खेत में हल चला रहा है
बैठ पैसा मैदान पैदल
भैया मेल जैसा बैरागी
मैना बैठक तैसा फैशन

पाठ.11 ओ की मात्रा= क+ओ=क+ओ=को
ओखली घोड़ा केला खाओ मोर देखो
सोनिया कपड़े की गुड़िया बनाती है
गोल खोल तोल मोहन
सोना डोली बोल सोहन
होली तोड़ चोर धोबन

प्रवेशिका पाठशाला-2

पाठ.4 आ की मात्रा= क+आ=क+आ=का
आम गाय अनार लड़का
आम खा अनार ला मदन भला था
खाना खा हमारा भारत राम पढ़
मामा नाना दादा चाचा आना पाना
लाला आया ताला लाया रामायण

पाठ.5 इ की मात्रा= ल+इ=ल+इ=लि
किताब हिरन चिड़िया किसान
लिख मिल दिया पिता आया
लिया पिया गिन हिल दिल
खिला किसका इस दिन

प्रवेशिका पाठशाला-6

पाठ.12 औ की मात्रा= क+औ=क+औ=कौ
औरत कौवा पौधा तौलिया
दो मानव नौका से नदी पार कर रहे हैं
बौना फौजी दौड़ा और
चौक कौन मौसा लौकी
पकौड़े बिछौना रौनक गौशाला

पाठ.13 अं की मात्रा= क+अं=क+अं=कं
अंगूर पतंग पंखा झंडा
गंगा किनारे मंदिर यह हमारा झंडा है
तंग आंख रंग भंग बंदर
शंख पंख गेंद जंगल
गांधी पंछी ठंडा बसंत

प्रवेशिका पाठशाला-3

पाठ.6 ई की मात्रा= च+ई=च+ई=ची
हाथी छतरी मछली चीता
सीटी बीन रीछ दादी तीन
खीर सीख पानी रानी
कील ठीक चाची सीता
कमीज़ अमीर नानी खीर रख आ

पाठ.7 उ की मात्रा= फ+उ=फ+उ=फु
फुटबाल बुढ़ापा धनुष गुड़िया
बुढ़ापा बुरा सुनीता चली गई बुलबुल आई
खुश दुम धनुष पुल पर चल
कुश कुल सुन सुख
सुराही बुनाई यह नदी का पुल फुलवारी

प्रवेशिका पाठशाला-7

पाठ.14 विसर्ग : और संयुक्त अक्षर
प्रातः उठ इंजन पत्ता बच्चा
प्रातः चक्की कुत्ता बाल्टी स्कूल
मुन्ना प्यारा पत्थर अम्मा ज्ञान
दिल्ली प्याला लट्टू
उन्हें अग्नि लैम्प

पाठ.15 संयुक्त अक्षर
काली बिल्ली बड़ी छबिल्ली,
जाने को वह बैठी दिल्ली।
दूध धरा था प्याले में,
पहुँच गई वह आले में।
चप चप कर है वह पी जाती,
चूहों को भी है खा जाती।
प्यारा भारत देश हमारा

प्रवेशिका पाठशाला-4

पाठ.8 ऊ की मात्रा= प+ऊ=प+ऊ=पू
कबूतर फूल चूहा भालू
सूरज निकला पूजा आभूषण चुन
धूप सूर धूल चूना शूल
पूर्व जूता मूली चूरन भूरा
भूल गुलाब खूब पढ़ ऊन चूड़ियां

पाठ.9 ए की मात्रा= ल+ए=ल+ए=ले
शेर पड़ मेज़ सब
पेड़ पर आम ठेला चला राम खेल
पेट चेला तेल गणेश
मीठे देख रेल महेश
भेड़ आई किसान खेत में

प्रवेशिका पाठशाला-8

पाठ.16 संयुक्त अक्षर
च-च = अच्छा क-क = क्या
स-स = बस्ता ष-ष = पुष्पा
श-श = श्याम ध-ध = ध्यान

प्रातः काल प्रणाम प्रथम
प्रार्थना प्रतिज्ञा स्कूल

प्रातः काल सबेरे उठो।
अपना बिस्तर स्वयं इकट्ठा करो।
प्रथम माता पिता को प्रणाम करो।
फिर हाथ मुँह धो डालो।
शीतल जल के छींटे मारकर आखें
साफ करो। दांत साफ कर स्नान करो।
बस्ता लेकर स्कूल जाओ।
श्याम पुष्पा के पास बैठो।
क्यारी में काम करो।
अच्छे लड़के लड़की बनो।

HT09 : Hindi Teaching (Chart 9)

बालगीत - 1

<p>मछली</p> <p>मछली का जो घोंघा है। जीवन इस का घोंघा है। इस लक्ष्मी हर जगहों। बहर निकलें मर जगहों।</p>	
<p>सड़क</p> <p>रस्मों-सौंदर्य सड़क पर, रिश्तों के कल नहीं मरती। इस पर मोटर आते हैं, रू-रू रोड़ों जाती हैं। सड़क खेत का काला दुम, चमकें नहीं मराला दुम। रोड़ नहीं तो खाओगे, फिर रोड़ें फलखौरीं।</p>	
<p>कैक</p> <p>रोड़ चला दिसा नर शंखा, रोड़ रिश्तों को चुरावया। पर नार कैक लटकी, कहाँ बाला नर गबीला। रुड़िये रोड़ भागे खड़े, राधे राधे फूलों न लमारे। चम्की रज्जू रज्जू प्यारे, चपड़े पहने नार न्यारे।</p>	
<p>राखी</p> <p>रोड़े रोड़े भाई है, प्यार एकी भाई है। भाई डैल-डैल है, बाल लुलुने रोड़े है। भाईको जो चुपचाप है, लाल रंग का पागो है। रोड़े ने पहनाई है, बरसे रज्जू चिनार है। बुद्ध बुद्ध कपड़े लई, डिब्बा एक मिर्च का। बत-बत चमकी रज्जू रोड़े, काल एक कलई बर।</p>	

HT13 : Hindi Teaching (Chart 13)

लोमड़ी और कौवा

झूठी प्रशंसा में मत आओ

एक कौवा कहीं से एक रोटी का टुकड़ा ले आया और वृक्ष पर जा बैठा। एक लोमड़ी ने कौवे से रोटी छीननी चाही। बोली "कौवे भाई, तुम बहुत अच्छा शाये हो, तुम्हारे रंग की सभी प्रशंसा करते हैं। कोई सुन्दर गीत सुनाओ।"

कौवा लोमड़ी की झूठी प्रशंसा में आकर खुरी से वृक्ष की डाल पर नाचने लगा लोमड़ी बोली - "वाह, कैसा सुन्दर नाच है। जरा नाच के साथ नाचा भी सुनाओ" कौवा कांय कांय करने लगा।

जैसे ही कौवे ने नाचा गाने के लिए मुँह खोला, रोटी का टुकड़ा उसके मुँह से नीचे गिर गया।

लोमड़ी चपाती उठा कर भाग गई, और जाते जाते बोली "कौवे भाई, फल फिर रोटी खाना, और मुझे गीत सुनाना"। कौवा पछताने लगा। अब क्या हो सकता था। जब चिड़िया चुग गई खेत।

HT10 : Hindi Teaching (Chart 10)

बाल गीत - 2

<p>घोड़ा</p> <p>हमि में भी से है लम्हा। और सड़कों में है लम्हा। बहादुर भी है इस का लम्हा। सड़क रोड़ों कभी न लम्हा। सड़क में से खोल दिखला। पाता चने खुना होकर खाला।</p>	
<p>तोता</p> <p>हमिगत तोता बड़ा मिनाला, "रोड़ राधे" कहलाता है। आप, लीची, रोड़, साने, भाई में से खाला है। मिहरे में भी खुरी से पला, रज्जू-रज्जू फिर भवने कहला।</p>	
<p>रेल</p> <p>एक लूक करती जाती रेल। आप और पाणी का खेला। दूर दूर की ओर करती। नदियाँ, पर्वत पार करती। किन्ती को दण्डर, पर पर्वतों। विहड़ों को से पुनः मिलाती।</p>	
<p>वायुयान</p> <p>इस में सर-ना उड़कर जाय। जीवन जयजय, अमरीका, जर्मनी, जर्मनी हो या अमरीका। कुछ ही घंटे में पहुँचकर, इस में सर-ना उड़कर जाय। दुर्गों में यह बन जायकर, यहाँ में अन्य पहुँचकर। यहाँ यह वायुयान कहलाय। इस में सर-ना उड़कर जाय।</p>	
<p>रक्षा बन्धन</p> <p>रक्षा बन्धन का त्योहार। धूम धाम से जाता है। भाई बहिनों का यह प्यार। रोड़ अलोक्य पाता है।</p>	

HT14 : Hindi Teaching (Chart 14)

एकता में बल है

शिकारी और कबूतर

एक शिकारी ने वन के पक्षियों को पकड़ने के लिये अपना जाल फैलाया था।

कुछ ही समय में आस पास के कबूतर उसमें आकर फँस गये। हर कबूतर अपने आप को छुड़ाने का प्रयत्न करता परन्तु विफल हो जाता।






इतने में वहाँ से एक कौवा जा रहा था। वह पक्षियों को जाल में फँसा देखकर सीधा उनके पास गया और कहा कि वह सब मिलकर जोर लगायें तथा जाल के साथ ही उड़ जायें।

कबूतरों ने कौवे की शिक्षा मानी और अपनी पूर्ण शक्ति के साथ जाल ले उड़े। शिकारी हाथ मलता ही रह गया।

'एकता में बल है'

HT11 : Hindi Teaching (Chart 11)

बाल गीत - 3

<p>गाय</p> <p>प्यारी-प्यारी राधे हवारी, पूष हर्मि ने रोड़ी है। तुम्हारे करले में केवल बर, चाय-पनी लोड़ी है। तुम्हारे कपड़े केल बनेले हैं, खेत में इन चलते हैं। उनको ही मोहल से फिर, अनजान इन पते हैं।</p>	
<p>बन्दर</p> <p>बन्दर आया, बन्दर आया। बहारी के लन बन्दर आया।। यो: यो: फरकें हर्मि उदारी। रूढ़ विकल्पों कभी खुदारी। रोड़ना रोड़ें ठोके पहनें। बन्दरिया ने भी पहने पहनें।।</p>	
<p>कार</p> <p>मेरी प्यारी प्यारी कार। नहीं कभी राखी बेकार।। चाय को दण्डर ले जाती। और शाम को पर से जाती।। छुटी के दिन इस चक्को पह। पिछकिच के में मनें रिल्ली।।</p>	
<p>सेब</p> <p>सभी फल में सेब है न्यार। लाल रंग रह प्यार प्यार।। एक सेब जो रोड़ है न्यार। रोड़कर को यह दूर प्यार।। प्यारी मुसकौ सेब दिसा रो। परन कपलत जय दिसा रो।।</p>	
<p>बालक</p> <p>मां में पढ़ने को जातीं। छुटी होने पर आऊँगी।। गीत सौंराह के गाऊँगी। और बहादुर कहलाऊँगी।।</p>	

HT15 : Hindi Teaching (Chart 15)

शेर और खरगोश

बुद्धि बल शारीरिक बल से शक्तिशाली है

शेर से सब पशु परेशान थे। वह बहुत पशु मार देता था। एक दिन जंगल के सब पशु शेर के पास पहुँचे और बोले "महाराज आप जंगल के राजा हैं, हम पर क्या करें हम आप के जीवन के लिए स्वर्ण आजाय करें।" शेर मान गया। उस दिन से भोजन के लिए शेर के पास रोज एक पशु आने लगा।

एक दिन एक खरगोश को खरी आई। वह जानबूझ कर शेर से पहुँचा, शेर ने पहाड़ कर पूछा "इतनी शेर से क्यों आए हो?" खरगोश नम्रता से बोला "मुझे एक दूसरे शेर ने रास्ते में रोक लिया। जब मैंने उसे कहा कि मैं आप के पास आ रहा हूँ, तो उसने कहा जंगल का राजा मैं हूँ।"

"उस शेर को मैंने खस लाओ।" शेर दहाड़ा "दूसरा शेर! कहीं है वह? मैं उसे जिन्या नही छोडूँगा"। खरगोश शेर को एक कुर्चे के पास ले गया और बोला "इन्कू वह यहाँ ही बैठा था, अब इस कुर्चे में चल रहा होगा।" शेर ने कुर्चे में झोका, तो पानी में उसने अपनी परछाई देखी।

दूसरा शेर समझ कर वह पहाड़ा, कुर्चे में से भी पहाड़ने को आवाज आई। शेर ने उसे मारने के लिए कुर्चे में छलांग लगा दी और मर गया। जंगल में खरगोश ने शेर के मरने की खबर सुनाई, तो सभी जानवर खुरी से नाचने लगे।

HT12 : Hindi Teaching (Chart 12)

स्वच्छता

प्यारे बच्चों स्वच्छ रहो।
 तन से मन से स्वच्छ रहो।।
 जय में उड़ीया नाच करो।
 स्वच्छता का पाठ पढ़ो।।

सूक्ष्मोपच से पहले उजो।
 ताजे जल से स्नान करो।।
 आँखें भी पित साफ करो।
 नाखूनों को नहीं चढ़ाओ।।

दाँत साफ, नाखून साफ।
 कपड़े साफ, बरता साफ।।
 शिखा पाने का कमरा साफ।
 पर और जीवन प्यो साफ।।
 बन्दरी कहीं फैलाओ मत।
 स्वच्छता को भुलाओ मत।
 कचरा कुदुपान में डालो।
 अच्छी आदती को पुन पालो।
 जैसी आदत तुम डालोगे।
 वैसी ही तुम बन जाओगे।।

भारत-जन्मना
 प्यार प्यार जय से न्यार।
 भारत-भेदा हमारा है।
 इसका सफल उन्म मिनाला।
 हमारे नारण भी राधे सागर।
 रोड़ यमुना की धारायें।
 बहती लोह परी निरा बरार।
 इन सबकी आँखों का जय।
 भारत-भेदा हमारा है।
 हम कुन्य की जना भूमि यार।
 तुलसी सूर इसी के जयकारे।
 बुद्ध, महात्मा गाँधी जैसे,
 पुन इसी के हैं कहलायें।
 धरती का सौभाग्य मिनाला,
 भारत-भेदा हमारा है।

करीब सने पर बत जायें।
 पर सेवा पर उपकार में हम,
 हम रोड़ दुखों मिहरी मिहरी,
 जो सेबक बन सौंराह हों।
 जो हैं अलके भूले फलके,
 उनको लोड़ खूब नर जबें।
 इन राम इन राधेय डूँड,
 अन्ध के निरा निरा पु लो।
 निर अन मान गरती का,
 पुन भवन रहे अधिमान हों।
 जेवण हो गुड ललत अन,
 सुनि प्रेम सुवाक बरालयें।
 निर रोड़ कति में जय निर,
 कौन रोड़ उनी पर हो जय।।

HT16 : Hindi Teaching (Chart 16)

भारत माता

भारत माँ को करे वंदना, यही हमारी माता है।
 यही कर्म है, यही धर्म है, सबको भाव्य-विधाता है।
 तुच्छ स्वार्थ से ऊपर उठकर, नव-नव संकल कार्य करे।
 मिल-जुल कर सब रहे प्रेम से, सब का ही उत्थान करे।।
 जाति-पाति के बंधन तोड़े, वर्ग भेद को चूर करे।
 मिल-जुलकर सब बँटें खाएँ, मेरा-मेरा सब दूर करे।।
 भारत माता सबको माँगी, सबको प्यार टूटती है।
 मेरा सब कुछ इसको अर्पण, सब कुछ इसकी धाती है।

देश मेरा है मेरा मन्दिर, एकता यहाँ लाएंगे।
 अम से सींच इस माटी को, स्वर्न यहाँ हम लाएंगे।
 फिर धरती सोना उगलेगी, यह देश सुखों ही जायेगा।
 नया संसार बनायेंगे, एकता समता लाएंगे।
 देश मेरा है मेरा मन्दिर, एकता यहाँ लाएंगे।

हमारा नारा

राष्ट्र हित कार्य करना ही विश्व की आराधना है।
 किसीको नातु भूमि प्राणों से अधिक प्यारी नहीं वह नर नहीं पशु है।
 विभिन्न जातियाँ धर्म व सम्प्रदाय एक ही वृक्ष की शखाएँ हैं।
 एक है अपनी जमीं एक है अपना मनन।
 सारी दुनिया एक है एक है अपना चतन।।

भारत को मिट्टी मेरा स्वर्ण है, भारत को कल्याण में ही मेरा कल्याण है।
 है शोक यहाँ अरमान यही, हम कुछ कर दिखलाएंगे।
 मरने वाली दुनियाँ में हम, अमरों में नाम लिखाएंगे।
 जो लीज हर कर बैठे हैं, उम्मीद मारकर बैठे हैं।
 हम उनके बुझे दिवाणों में, फिर से उत्साह जागाएंगे।

HV09 : Hindi Vyakaran (Chart 9)

हिन्दी व्याकरण-9

वाच्य

वाक्य का वह रूप, जिसमें क्रिया उसके कारी, कारी का वाक्य के अनुपात हो, वाक्य कहलाता है। वाक्य के दो प्रकार हैं:-

- 1. कर्मी वाक्य**-जिस वाक्य में क्रिया का क्रिया, तथा उस वाक्य 'कर्मी' के अनुपात हो, वह कर्मीवाक्य कहलाता है। इसमें 'कर्मी' चीज होता है। जैसे-


 सो रहा है। (अव्यय)


 लखी है। (वाक्य)
- 2. कर्म वाक्य**-जिस वाक्य में क्रिया का क्रिया, तथा उस वाक्य 'कर्म' के अनुपात हो, वह कर्म वाक्य कहलाता है। इसमें 'कर्म' चीज होता है। जैसे-


 खाना बना रहा।


 खाना खा रहा है।


 खिल रहा है।
- 3. वाक्य वाक्य**-जिस वाक्य में कर्मी वाक्य का वाक्य 'वाक्य' अनुपात हो, वह वाक्य वाक्य कहलाता है। इसमें क्रिया का अनुपात, पुलिना, अकारक रूप एवं पुलिना में रहती है। जैसे-


 चल रहा है।


 बैठ रहा है।


 खड़ा है।

HV13 : Hindi Vyakaran (Chart 13)

हिन्दी व्याकरण-13

संधि

दो या दो से अधिक धारों के मिल कर संधि कहते हैं। संधि के दो प्रकार हैं:-

- 1. स्वर संधि**-दो निकलती धारों में स्वरों के मिल कर संधि कहते हैं। जैसे-


 बच्चा - लड़की - बच्चियाँ


 पाद - धरि - धरियाँ


 सूर्य - उदय - सूर्योदय
- 2. व्यंजन संधि**-व्यंजन के साथ साथ वाक्य के दो वाक्य संधि कहते हैं। जैसे-


 जन्म - दिन - जन्मदिन


 मक्का - का - मक्का


 मक्का - का - मक्का
- 3. विभक्ति संधि**-विभक्ति (:) के साथ साथ वाक्य के दो वाक्य संधि कहते हैं। जैसे-


 हि - का - हिवा


 तु - का - तुलसी


 म - का - माली

HV10 : Hindi Vyakaran (Chart 10)

हिन्दी व्याकरण-10

अव्यय

जिन शब्दों में क्रिया, वाक्य, पुलिना एवं वाक्य आदि के वाक्य कोई वाक्य उनमें नहीं होता, उन्हें अव्यय कहते हैं। अव्यय शब्दों के दो प्रकार हैं:-

- 1. सामान्यवाचक अव्यय**-जिन अव्यय शब्दों में वाक्य का संबंध हो, उन्हें सामान्यवाचक अव्यय कहते हैं। जैसे-आज, कल, अभी, अभी, अब-अब आदि।


 सूर्य पार पार में निकलता है।


 आज सो रहा है।


 वह दिन मजबूत करता है।
- 2. स्थानवाचक अव्यय**-जिन अव्यय शब्दों में किसी स्थान का संबंध हो, उन्हें स्थानवाचक अव्यय कहते हैं। जैसे-यहाँ, वहाँ, उधर, उधर आदि।


 यहाँ की राह खूब है।


 जगह का नाम है?


 वह एक पट्ट है।
- 3. दिशावाचक अव्यय**-जिन अव्यय शब्दों में दिशा का संबंध हो, उन्हें दिशावाचक अव्यय कहते हैं। जैसे-उपर, तल, नीचे, वहाँ, उधर-उधर आदि।


 पहाड़ी चढ़ रहा है।


 नदी बह रही है।


 राह का नाम क्या है?
- 4. स्थितिवाचक अव्यय**-जिन अव्यय शब्दों में किसी वस्तु आदि की स्थिति का संबंध हो, उन्हें स्थितिवाचक अव्यय कहते हैं। जैसे-उपर, तल, नीचे, वहाँ, उधर आदि।


 ऊपर लेटा हुआ है।


 पुराने के नीचे खड़ी खड़ी है।


 घर के बाहर था खड़ा।

HV14 : Hindi Vyakaran (Chart 14)

हिन्दी व्याकरण-14

विराम चिह्न

लिखित वाक्य में वाक्यवाचक अर्थ-अर्थवाचक के लिए प्रयोग किए जाने वाले लिखित चिह्नों को विराम चिह्न कहते हैं। विराम चिह्न का संबंध वाक्य-संधि का संबंध और वाक्यवाचक के लिए प्रयोग होता है।

1. पूर्ण विराम	2. अर्ध विराम	3. अन्य विराम
<p>एक वाक्य पूरी हो जाने पर ही अन्त में एक चिह्न को रखते हैं। लिखित वाक्य में एक वाक्य का अन्त को पूर्ण चिह्न करने के लिए पूर्ण विराम (.) का प्रयोग किया जाता है। जैसे-वहाँ, वहाँ, उधर आदि।</p>	<p>पूर्ण विराम में कम वाक्य करने, वाक्यवाचक के लिए अर्ध विराम (,) का प्रयोग किया जाता है। जैसे-वहाँ, वहाँ, उधर आदि।</p>	<p>'अल्प' वाक्य का अर्थ है-वहाँ, वहाँ, वहाँ के बीच वहाँ अर्ध विराम में जो वाक्य वाक्य वाक्य होता है। वहाँ अन्य विराम (,) लगाया जाता है। जैसे-वहाँ, वहाँ, उधर आदि।</p>
4. प्रत्ययवाचक	5. विभक्तिवाचक	6. संधिवाचक
<p>वाक्यवाचक: वहाँ, वहाँ, वहाँ, वहाँ, वहाँ आदि।</p>	<p>विभक्तिवाचक: वहाँ, वहाँ, वहाँ, वहाँ, वहाँ आदि।</p>	<p>संधिवाचक: वहाँ, वहाँ, वहाँ, वहाँ, वहाँ आदि।</p>
7. विराम चिह्न	8. वाक्यवाचक	9. वाक्यवाचक
<p>वाक्यवाचक: वहाँ, वहाँ, वहाँ, वहाँ, वहाँ आदि।</p>	<p>वाक्यवाचक: वहाँ, वहाँ, वहाँ, वहाँ, वहाँ आदि।</p>	<p>वाक्यवाचक: वहाँ, वहाँ, वहाँ, वहाँ, वहाँ आदि।</p>

HV11 : Hindi Vyakaran (Chart 11)

हिन्दी व्याकरण-11

समास

शब्दों के संयोग (अधिक शब्दों का एक शब्द बनना) को समास कहते हैं। समास के दो प्रकार हैं:-

- 1. अव्ययवाचक समास**-जिस समास में वाक्य का संबंध हो, उसे अव्ययवाचक समास कहते हैं। जैसे-आज, कल, अभी, अभी, अब-अब आदि।


 ध्यान में है।


 महल का नाम।


 माता-पिता - माता और पिता
- 2. स्थानवाचक समास**-जिस समास में किसी स्थान का संबंध हो, उसे स्थानवाचक समास कहते हैं। जैसे-यहाँ, वहाँ, उधर, उधर आदि।


 यहाँ की राह खूब है।


 जगह का नाम है?


 वह एक पट्ट है।
- 3. दिशावाचक समास**-जिस समास में दिशा का संबंध हो, उसे दिशावाचक समास कहते हैं। जैसे-उपर, तल, नीचे, वहाँ, उधर-उधर आदि।


 पहाड़ी चढ़ रहा है।


 नदी बह रही है।


 राह का नाम क्या है?
- 4. स्थितिवाचक समास**-जिस समास में किसी वस्तु आदि की स्थिति का संबंध हो, उसे स्थितिवाचक समास कहते हैं। जैसे-उपर, तल, नीचे, वहाँ, उधर आदि।


 ऊपर लेटा हुआ है।


 पुराने के नीचे खड़ी खड़ी है।


 घर के बाहर था खड़ा।

HV15 : Hindi Vyakaran (Chart 15)

हिन्दी व्याकरण-15

वाक्य विधान

शब्दों के संयोग एवं अर्थवाचक समूह को, जिसमें कोई अव्यय वाक्य हो, समास कहते हैं। समास का विधान मुख्यतः दो प्रकारों पर किया गया है:-

- 1. वाक्य के आधार पर**

वाक्य के आधार पर वाक्य के दो प्रकार हैं:-

 - 1. वाक्यवाचक वाक्य**-जिस वाक्य में वाक्य का संबंध हो, उसे वाक्यवाचक वाक्य कहते हैं। जैसे-आज, कल, अभी, अभी, अब-अब आदि।
 - 2. स्थानवाचक वाक्य**-जिस वाक्य में किसी स्थान का संबंध हो, उसे स्थानवाचक वाक्य कहते हैं। जैसे-यहाँ, वहाँ, उधर, उधर आदि।
 - 3. दिशावाचक वाक्य**-जिस वाक्य में दिशा का संबंध हो, उसे दिशावाचक वाक्य कहते हैं। जैसे-उपर, तल, नीचे, वहाँ, उधर-उधर आदि।
 - 4. स्थितिवाचक वाक्य**-जिस वाक्य में किसी वस्तु आदि की स्थिति का संबंध हो, उसे स्थितिवाचक वाक्य कहते हैं। जैसे-उपर, तल, नीचे, वहाँ, उधर आदि।
- 2. अर्थ के आधार पर**

अर्थ के आधार पर वाक्य के दो प्रकार हैं:-

 - 1. विधिवाचक वाक्य**-जिस वाक्य में क्रिया का क्रिया का संबंध हो, उसे विधिवाचक वाक्य कहते हैं। जैसे-वहाँ, वहाँ, उधर, उधर आदि।
 - 2. स्थानवाचक वाक्य**-जिस वाक्य में किसी स्थान का संबंध हो, उसे स्थानवाचक वाक्य कहते हैं। जैसे-यहाँ, वहाँ, उधर, उधर आदि।
 - 3. दिशावाचक वाक्य**-जिस वाक्य में दिशा का संबंध हो, उसे दिशावाचक वाक्य कहते हैं। जैसे-उपर, तल, नीचे, वहाँ, उधर-उधर आदि।
 - 4. स्थितिवाचक वाक्य**-जिस वाक्य में किसी वस्तु आदि की स्थिति का संबंध हो, उसे स्थितिवाचक वाक्य कहते हैं। जैसे-उपर, तल, नीचे, वहाँ, उधर आदि।

HV12 : Hindi Vyakaran (Chart 12)

हिन्दी व्याकरण-12

उपसर्ग एवं प्रत्यय

वे शब्दों जो किसी शब्द से पूर्व लगाकर उस शब्द का अर्थ बदल देते हैं, वे उपसर्ग कहलाते हैं। किसी शब्द में जो शब्द जो अर्थ बदल देते हैं, वे उपसर्ग कहलाते हैं।

उपसर्ग	विधि	विशेष
<p>उपसर्ग (शब्दों के 22 उपसर्ग हैं।)</p> <div style="display: flex; justify-content: space-around; align-items: center;"> <div style="text-align: center;">  सु (सु) - सुख, सुखी </div> <div style="text-align: center;">  भी (भी) - भीड़, भीड़, भीड़ </div> <div style="text-align: center;">  ल (ल) - लंबा, लंबा </div> </div>	<p>विधि</p> <div style="display: flex; justify-content: space-around; align-items: center;"> <div style="text-align: center;">  वि (वि) - विना, विना </div> <div style="text-align: center;">  व (व) - वहाँ, वहाँ </div> <div style="text-align: center;">  ल (ल) - लंबा, लंबा </div> </div>	<p>विशेष</p> <div style="display: flex; justify-content: space-around; align-items: center;"> <div style="text-align: center;">  वि (वि) - विना, विना </div> <div style="text-align: center;">  व (व) - वहाँ, वहाँ </div> <div style="text-align: center;">  ल (ल) - लंबा, लंबा </div> </div>